भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4968

दिनांक 31.03.2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी को बढ़ावा देना

4968. डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक:

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी भाषा को शामिल करने के लिए कोई कदम उठाया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है: और

(ग) विदेशों में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और इसके क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्री वी. मुरलीधरन)

(क और ख) भारत सरकार ने हिंदी के प्रचार-प्रसार को उच्च प्राथमिकता दी है और संयुक्त राष्ट्र तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मान्यता और इसके प्रयोग में वृद्धि के लिए निरंतर उपाय कर रही है। हिंदी पहले से ही यूनेस्को की नौ कामकाजी भाषाओं में से एक है।

हाल ही में वर्ष 2014, 2019, 2020 और 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) सत्र में प्रधान मंत्री के संबोधन सहित भारतीय नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में वक्तव्य दिए हैं।

वर्ष 2018 में, संयुक्त राष्ट्र में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त राष्ट्र और भारत सरकार के बीच दो साल की अवधि के लिए एक स्वैच्छिक वित्तीय योगदान संबंधी करार पर हस्ताक्षर किए गए थे। वर्ष 2019 में इस करार की अवधि को 5 वर्ष के लिए आगे बढ़ाया था और वर्तमान में यह मार्च 2025 तक लागू है।

इस करार के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र ने फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र समाचार की एक हिंदी वेबसाइट पर हिंदी सोशल मीडिया अकाउंट शुरू किया है। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र अपने कार्यक्रमों को यूएन रेडियो वेबसाइट पर हिंदी में प्रसारित करता है, साउंड क्लाउड पर एक साप्ताहिक हिंदी समाचार बुलेटिन जारी करता है, यूएन ब्लॉग को हिंदी में प्रकाशित करता है और एंड्रॉइड एवं आईओएस मोबाइल फोन ऑपरेटिंग सिस्टम दोनों के लिए यूएन न्यूज रीडर मोबाइल एप्लिकेशन को हिन्दी में भी उपलब्ध कराया गया है।

इसके अतिरिक्त, भारत ने 'बहुभाषावाद' पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक ऐतिहासिक प्रस्ताव ए/आरईएस/76/268 को सह-प्रायोजित किया, जिसे 10 जून 2022 को सर्वसम्मति से पारित किया गया। पहली बार, इस संकल्प में हिन्दी भाषा का उल्लेख किया गया, जिससे हिंदी सहित आधिकारिक और गैर-आधिकारिक भाषाओं में महत्वपूर्ण संचार और संदेशों के प्रचार-प्रसार को जारी रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र वैश्विक संचार को प्रोत्साहित किया गया है।

(ग) भारत सरकार भी विदेश में हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। पिछले वर्षों की तरह, 10 जनवरी 2023 को पेरिस में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) सहित दुनिया भर में "विश्व हिंदी दिवस" मनाया गया, ताकि हिंदी को एक अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में प्रस्तुत किया जा सके और दुनिया भर में इसके उपयोग को बढ़ावा दिया जा सके। इस अवसर पर 2022 में यूनेस्को ने अपनी वेबसाइट पर भारत के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों का विवरण हिंदी में प्रकाशित करने पर सहमति व्यक्त की। हिंदी भी यूनेस्को की कामकाजी भाषाओं में से एक है।

इसके अतिरिक्त, सरकार भारतीय राजनयिक मिशनों और केन्द्रों के माध्यम से विदेश में हिंदी के प्रचार और प्रसार के लिए कई पहलें कर रही है और कार्यक्रम चला रही है। कुछ प्रमुख पहलें और कार्यक्रम निम्नानुसार हैं :

(i) विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा फिजी सरकार के सहयोग से 15-17 फरवरी 2023 तक फिजी में 12 वें विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें दुनिया भर के हिंदी विद्वानों और शोधकर्ताओं को जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी भाषा के अनुप्रयोगों और हिंदी के प्रचार-प्रसार पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया।

(ii) हिंदी सम्मान पुरस्कार देकर विदेशी विद्वानों के योगदान की सराहना की गई। 12 वें विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान नादी, फिजी में देश-विदेश के 19 विद्वानों और 2 विदेशी संस्थानों को सम्मानित किया गया।

(iii) भारतीय मिशनों के पुस्तकालयों और शैक्षणिक संस्थानों को छात्रों सहित प्रवासी भारतीय सदस्यों के उपयोग के लिए हिंदी शिक्षण सामग्री जैसे पाठ्यपुस्तकें, हिंदी सीखने की सीडी, शब्दकोश आदि की आपूर्ति की जाती है।

(iv) केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा में हिंदी पढ़ने के लिए आने वाले विदेशी छात्रों के लिए राजनीतिक अनापत्ति और वीजा को सुविधाजनक बनाया गया।

(v) हिंदी दिवस (14 सितंबर) और विश्व हिंदी दिवस (10 जनवरी) मनाने के लिए मिशनों और केंद्रों को वित्तीय अनुदान दिया जाता है।

(vi) विदेशी विश्वविद्यालयों, संस्थानों और सामुदायिक संगठनों को शिक्षण, प्रकाशन और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए वित्तीय अनुदान दिया जाता है। 2022-23 में, इस उद्देश्य से 8 विश्वविद्यालयों के लिए 21,89,502 भारतीय रुपये का अनुदान अनुमोदित किया गया था।

(vii) भारतीय मिशनों और सामुदायिक केंद्रों में हिंदी पढ़ाने में शामिल शिक्षकों को मानदेय के लिए भी वित्तीय अनुदान दिया जाता है।

(viii) 2018 में मॉरीशस के महात्मा गांधी संस्थान में एक मॉडल पाणिनि हिंदी भाषा प्रयोगशाला स्थापित की गई थी।

(ix) वर्धा में महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय स्थापित किया गया था, जो विदेशी छात्रों के लिए अध्ययन और शोध का एक विशेष अंतरराष्ट्रीय केंद्र है।

(x) भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) और केंद्रीय हिंदी निदेशालय (सीएचडी) के सहयोग से 2022 में विभिन्न देशों के विदेशी नागरिकों के लिए ऑनलाइन हिंदी कक्षाएं आयोजित कीं। इसी प्रकार, 2022 में भूटान स्थित अंतरराष्ट्रीय विश्व विद्यालय में सरकारी कर्मचारियों के लिए एक अनुकूलित हिंदी भाषा पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

(xi) यह उल्लेखनीय है कि आईसीसीआर, आईसीरसीआर आगंतुक कार्यक्रम के तहत हिंदी के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को आमंत्रित करता रहा है।

*****